



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 27, 1993/फाल्गुन 8, 1914
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 27, 1993/PHALGUNA 8, 1914

इस खण्ड में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह मूल संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (III)
PART II—Section 3—Sub-section (III)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

शुद्धि-पत्र

CORRIGENDUM

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1993

New Delhi, the 4th February, 1993

आ. प्र. 54.—आयोग के आदेश सं. 76/उ.प्र.-
वि.स. 91 दिनांक 7 अक्टूबर, 1992 के अंग्रेजी एवं हिंदी
स्वान्तर्गों में स्तम्भ 1 में क्रम संख्या 315 के सामने स्तम्भ 4
में दिखाई गई प्रविष्टि "श्री विष्णु प्रताप यादव" के स्थान पर
"श्री विष्णु प्रताप मिश्र" पढ़ी जाये; तथा

O.N. 54.—In both English and Hindi versions of the
Commission's Order No. 76/UP-LA/91 dated 7th October,
1992, the existing entry "Sh. Vishnu Pratap Yadav" against
Sl. No. 315, in column 4, shall be read as "Sh. Vishnu Pratap
Mishra"; and

आयोग के आदेश सं. 76/उ.प्र.-वि.स./91 दिनांक 7
दिसंबर 1992 के अंग्रेजी एवं हिंदी स्वान्तर्गों में स्तम्भ-1
में क्रमशः क्रम संख्या 297, 293 सामने स्तम्भ 2, 3,
4 व 5 में दिखाई गई सभी प्रविष्टियों का प्रविष्टि "श्री
महावीर, ग्राम बाका, पो.—मेउडीकला, जिला—बलिया
(उ.प्र.)" सहित संपादित कर दिया जाये।

In both English and Hindi versions of the Order No. 76/
UP-LA/91 dated 7th December, 1992, all the existing entries
in columns 2, 3, 4 & 5 including the entry "Shri Mahabir,
Village Baka, P.O. Meudikalan, District Ballia (U.P.) men-
tioned against Sl. Nos. 297 and 293 respectively, shall be
deleted.

[स. 76/उ.प्र.-वि.स./91]

[No. 76/UP-LA/91]

आदेश से,
घनश्याम खोहर, सचिव

By Order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

आ. अ. 55.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1-नई ल्ली संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से मई-जून, 1992 में हुए लोकसभा के लिए उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी को श्री अखिल शाहानी 171-मिर्जापुर रोड, हाटा, जौनपुर, उत्तर प्रदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे

और, उक्त अभ्यर्थी ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या औचित्य नहीं है।

अतः, अब, निर्वाचन आयोग लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अनुसरण में इसके द्वारा श्री अखिल शाहानी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद/संघ राज्य क्षेत्र के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/वि.लो.स./92 (4)/उप]

आदेश से,

घनश्याम खोहर, सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1993

O.N. 55.—Whereas the Election Commission of India is satisfied that Sh. Akhil Shahani, 171, Mirzapur Road, Ruhata, Jaunpur, U. P. a contesting candidate for bye-election to the Lok Sabha from 1-New Delhi Parliamentary Constituency held in May/June, 1992 has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

आदेश

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

आ. अ. 57.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में तथा विनिर्दिष्ट लोकसभा के उप निर्वाचन के लिए सांख्यिकी (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र में हुए हैं, स्तम्भ (4) में उनके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा दक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है :

अतः, उक्त अभ्यर्थियों ने निर्वाचन आयोग द्वारा सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यामोहित्य नहीं है :

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby declares said Sh. Akhil Shahani to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years (three years) from the date of this order.

[No. 76/DL-HP/92(4)]Bye]

By order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1993

आ. अ. 56.—आयोग के तारीख 7 नवंबर, 1991 के आदेश संख्या 76 म.प्र.-वि.स./91 के अंग्रेजी और हिंदी दोनों स्पांतरों में क्रम सं. 28 सामने स्तम्भ 4 में विद्यमान प्रविष्टि "श्री छतरसिंह रामचन्द्रन" के बजाए "श्री छतरसिंह रामचरण" पढ़ी जाए; और

आयोग के तारीख 7 फरवरी, 1992 के आदेश सं. 76/म.प्र.-वि.स./91(5) अंग्रेजी और हिंदी दोनों स्पांतरों में क्रम सं. 113 के सामने स्तम्भ 4 में विद्यमान प्रविष्टि "श्री बाबू लाल सुपुल श्री पुनू उइके, वार्ड नं. 7 जुन्नारदेव, तह. जुन्नारदेव, जिला छिंदवाड़ा" के बजाए "श्री बाबू लाल उइके, स्थान-पोस्ट दातलावादी, तह. जुन्नारदेव, जिला छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश" पढ़ी जाए।

[सं. 76-म.प्र.-वि.स./91]

आदेश से,

घनश्याम खोहर, सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 8th February, 1993

O.N. 56.—In both English and Hindi versions of the Commission's order No. 76/MP-LA/91 dated 7th November, 1991, the existing entry in column 4 against S. No. 28 may be read as "Sh. Chhatarsingh Ramcharan" instead of "Sh. Chhatarsingh Ramchandran"; and

In both English and Hindi versions of the Commission's order No. 76/MP-LA/91(5) dated 7th February, 1992, the existing entry in column 4 against S. No. 113 may be read as "Sh. Babu Lal Uikey, At post Datlawadi, Teh. Junnardeo, District Chhindwara, Madhya Pradesh" instead of "Sh. Babu Lal S/o Sh. Punu Uikey, ward No. 7 Junnardeo, Teh. Junnardeo, District Chhindwara, Madhya Pradesh".

[No. 76/MP-LA/91]

By order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों का संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्र.सं.	निर्वाचन का विवरण	संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र की क्र.सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरहता का कारण
1	2	3	4	5
1.	लोक सभा के लिए उप-निर्वाचन, 1991	43—बारामती	डॉ. श्री पारस नाथ मिश्रा, पी. आर. मिश्रा चawl, गोकुल दासवाडी, खोपट, ठाणे-400 601, महाराष्ट्र।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे।
2.	—वही—	—वही—	श्री फाल्के लक्ष्मण राव, लफे भाउसहेव सोनाबा, मार्फत, भाम चौधरी चawl, वरजे स्कूल के सामने, पुणे-29, महाराष्ट्र।	

[सं. 76/महा.—लो. स. 92]

आदेश से,

बलवंत सिंह, सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th February, 1993

O. N. 57.—Whereas, the Election Commission of India is satisfied that each of the contesting candidates specified in column 4 of the Table below at the Bye-election to the House of the People as specified in column 2 and held from the constituency specified in column 3 against his name has failed to lodge the account of his election expenses as shown in column 5 of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have not furnished any reason for the said failure even after due notice by the Election Commission and the Commission is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column 4 of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this Order:—

TABLE

S. Particulars of Election No.	S. No. & Name of Parliamentary Constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4
1. Bye-election to the House of the People, 1991.	43—Baramati	Dr. Shri Parasnath Mishra, P.R. Mishra Chawl, Gakuldaswadi, Khopat, Thane-400 601, Maharashtra.	Failed to lodge any account of election expenses.
2. -do-	-do-	Sh. Phadke Laxmanrao Alias Bhausahab Sonaba, C/o Bham Chaudhari Chawl, Opp. Warje School, Pune-29, Maharashtra.	-do-

[No. 76/MP—HP/92]

By order,

BALWANT SINGH, Secy.

आदेश

ORDER

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1993

New Delhi, the 9th February, 1993.

आ. अ. 58.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तरप्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1991 लिए 418-सहारनपुर विधान सभा से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री प्रवीन, पी-20, हुकीफत नगर, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्विषय बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और उक्त अभ्यर्थी ने सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या औचित्य नहीं है।

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में श्री प्रवीन को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/उ.प्र.-वि.स./91]

आदेश से,
घनश्याम खोहर, सचिव

O.N. 58—Whereas, the Election Commission is satisfied that Shri Praveen, P-20-Hakikat Nagar, Saharanpur (U.P.), a contesting candidate for the General Election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly, 1991, from 418-Saharanpur Assembly Constituency has failed to lodge the account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidate has not furnished any representation for the said failure even after due notice and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares Shri Praveen to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76/UP-LA/91]

By Order,

GHANSHYAM KHOHAR, Secy.